



36852 - उस आदमी का हज्ज जिस के ऊपर कर्ज अनिवार्य है

प्रश्न

मैं ने रियल स्टेट बैंक से 2,51,900 (दो लाख इक्कावन हजार नौ सौ) रियाल उधार लिया जो सालाना क्रिस्तों में अदा किया जाना है, क्या मेरे लिए हज्ज करने का हक है जबकि बैंक की यह राशि मेरे ऊपर कर्ज है ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हज्ज करने की ताकत का होना हज्ज के अनिवार्य होने की शर्तों में से एक शर्त है, अतः : अगर आप हज्ज करने और हज्ज करने के समय आप से जो क्रिस्त मतलूब है उसकी अदायगी करने की ताकत रखते हैं तो आप पर हज्ज करना अनिवार्य है, और अगर दोनों चीजें आप पर एक साथ आ जाती हैं और उन दोनों की एक साथ ताकत नहीं रखते हैं तो आप उस क्रिस्त की अदायगी को जिस का आप से मुतालबा है प्राथमिकता दीजिये, और हज्ज को विलंब कर दें यहाँ तक कि आप के पास उसकी ताकत हो जाये, क्योंकि अल्लाह सुब्हानहु व तआला का फरमान है : "अल्लाह तआला ने उन लोगों पर जो उस तक पहुँचने का सामर्थ्य रखते हैं इस घर का हज्ज करना अनिवार्य कर दिया है।" (सूरत आल-इम्रान : 97)

और अल्लाह ही तौफीक प्रदान करने वाला है।